बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-54
24/01/2020

सर्व समुदाय के लोगों का विकास कर उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाना हमारा मकसद है :– मुख्यमंत्री

➢ जननायक कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार कर बिहार को आगे बढ़ाना है :– मुख्यमंत्री

पटना, 24 जनवरी 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित 96वें जननायक कर्पूरी ठाकुर जयंती समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर मुख्यमंत्री ने उन्हें नमन किया। जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित जयंती समारोह में मुख्यमंत्री को पुष्प–गुच्छ, अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह एवं पगड़ी भेंटकर आयोजकों ने उनका स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। अच्छे ढंग से आयोजन के लिए आयोजकों को भी बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि जननायक के जयंती समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होती है लेकिन श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल की क्षमता कम होने के कारण अधिकांश लोग हॉल से बाहर ही रह जाते हैं इसलिए, जननायक के जयंती समारोह का आयोजन अगले वर्ष से बापू सभागार में ही करायें, बापू सभागार की क्षमता 5000 लोगों की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर ने आजादी की लड़ाई में अपनी महती भूमिका निभाई, इसके बाद हुए समाजवादी आन्दोलन में उनकी जो भूमिका रही है, वह सर्वविदित है। सरकार चलाने का जब उन्हें मौका मिला तब उन्होंने कई ऐसे बड़े काम किये जिससे बिहार में जागृति आयी। जननायक कर्पूरी ठाकुर ने सरकारी नौकरी में अतिपिछड़ों को आरक्षण दिया, जिसे खत्म करने की आज कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। आपदा की स्थिति में उन्होंने कई बड़े–बड़े कामों की शुरुआत की। हमलोगों को भी उनके नेतृत्व में काम करने का मौका मिला है इसलिए उनके अधूरे कार्यों एवं सपनों को साकार करना हम सबकी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि न्याय के साथ विकास का काम करना हमारा बुनियादी सिद्धांत है। प्रारंभ से ही हमने हर तबके और हर इलाके के विकास के लिए काम किया है, हमने किसी की उपेक्षा नही की है। हाशिये पर खड़े लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना हमारा कर्तव्य था और इस दिशा में हमने प्रारंभ से ही काम शुरू किया है। हमलोगों ने फरवरी 2006 में कानून में संशोधन कर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अतिपिछड़े समाज को आरक्षण दिलाने के अलावा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। इसके बाद पंचायती राज संस्थाओं में अब 50 प्रतिशत से भी ज्यादा महिलायें चुनकर आती हैं। उसके अगले साल हमलोगों ने नगर निकायों में भी आरक्षण लागू किया। आज बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अतिपिछड़े समाज से जुड़े लोग मुखिया, प्रमुख, जिला परिषद अध्यक्ष जैसे पदों के लिए निर्वाचित होकर लोगों की सेवा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायिक सेवाओं में अब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अतिपिछड़े वर्ग के लोगों के लिए 21 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। सर्वसमाज के लोगों को ठीक ढंग से पढ़ाया जाय इसके लिए हमलोगों ने हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई। हर जिले में अतिपिछड़ों के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास का निर्माण कराने का हमलोगों ने निर्णय लिया और अब तक कई जगहों पर यह काम पूरा हो चुका है। शेष जिलों में भी काम लगभग शुरू हो गया है। वर्ष 2018 में हमलोगों ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं बालिका छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को पूर्व से मिल रही अन्य सुविधाओं के अलावा प्रतिमाह एक हजार रुपये और 15 किलो अनाज मुफ्त में मुहैया कराना प्रारंभ किया। इसके अलावा वर्ष 2018 में सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना की शुरुआत कर संघ लोक सेवा आयोग की प्राथमिक परीक्षा पास करने एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अतिपिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को एक लाख रूपये, जबकि बिहार लोक सेवा आयोग की प्राथमिक परीक्षा पास करने वाले ऐसे विद्यार्थियों को 50 हजार रुपये की हमलोग मदद कर रहे हैं। हजारों की संख्या में लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। लड़कियों के लिए पोशाक योजना और साइकिल योजना की शुरुआत की गयी, जिसके बाद हाई स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या छात्रों के बराबर हो गयी है। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत हर पंचायत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े लोगों के लिए तीन वाहन, जबकि अतिपिछड़े समुदाय से जुड़े बेरोजगार नौजवानों को दो वाहनों की खरीद पर अधिकतम एक लाख रूपये की मदद दी जा रही है ताकि हर गाँव और टोलों तक पक्की सड़क का निर्माण हो जाने के बाद लोग आसानी से वाहन के जरिये आवागमन कर सकें। प्रथम श्रेणी में 10वीं पास करने वाली छात्राओं को मेधावृत्ति योजना के तहत 10 हजार रूपये का प्रोत्साहन मिल रहा है। मुख्यमंत्री मत्स्य विकास योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मत्स्य पालकों को मछली पालन, मछली विपणन और मत्स्यिकी विकास के लिए 90 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है, जिसे अगस्त 2019 से अति पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए भी लागू कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने विरोधियों पर निशाना साधते हुये कहा कि जब काम करने का मौका मिला तो कुछ किया नहीं और अब मीडिया माइलेज के लिए अनाप–शनाप बोलते रहते हैं। लोगों की सेवा करना हमारा धर्म है और हर तबके के उत्थान के लिए हमलोग निरंतर काम कर रहे हैं। हमलोगों ने दो साल पहले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए उद्यमी योजना की शुरुआत की थी, जिसके तहत कुल दस लाख रूपये की मदद दी जा रही है, इसमें 5 लाख रूपये ब्याज रहित जबकि 5 लाख रुपये अनुदान के तौर पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े उद्यमिता में रूचि रखने वाले लोगों को दिया जाता है। इसी तर्ज पर अब हमलोग मुख्यमंत्री अति पिछड़ा उद्यमी योजना की शुरुआत कर अति पिछड़ा समाज के लोगों को भी 10 लाख रूपये की मदद करेंगे। यह बहुत जल्द ही योजना के रूप में सामने आ जाएगा। उद्यमिता में रूचि रखने वाले अति पिछड़ा समाज के लोगों को प्रशिक्षित करने की व्यवस्था होगी। 11वीं के बाद मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि की पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति से जुड़े वैसे विद्यार्थियों को प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिनके परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रूपये से कम है। अब तक यह लाभ अति पिछड़ा समाज के वैसे विद्यार्थियों को मिल रहा था जिनके परिवार की वार्षिक आय 1.5 लाख रूप्ये से कम थी। अति पिछड़ा समाज से जुड़े विद्यार्थियों को अब यह लाभ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की तरह ही मिलेगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अति पिछड़े समाज के टोलों को भी पक्की सड़कों से जोड़ने की योजना चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 94 हजार वर्ग किलोमीटर के सीमित क्षेत्रफल वाले बिहार में प्रजनन दर अधिक होने के कारण यहाँ आबादी ज्यादा है। 2005 में जब हमलोगों को काम करने का मौका मिला उस समय बिहार में परिवार का औसत प्रजनन दर 4.3 था, जो अब घटकर 3.2 हो गया है। एक अध्ययन में यह पता चला कि अगर पति–पत्नी में पत्नी मैट्रिक पास है तो देश और बिहार का औसत प्रजनन दर 2 है लेकिन पत्नी इंटर पास है तो देश का प्रजनन दर 1.7, जबकि बिहार का औसत प्रजनन दर 1.6 है। इसके बाद प्रत्येक पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया। अब तक 6,000 पंचायतों में यह खुल चुका है और शेष पंचायतों में इस वर्ष के अप्रैल माह तक 9वीं कक्षा की पढ़ाई प्रारंभ हो जायेगी। जननायक कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार कर बिहार को आगे बढ़ाना है। 25 अक्टूबर 2018 को हमलोगों ने बिहार के हर इच्छुक परिवार तक बिजली का कनेक्शन पहुंचा दिया है और सभी जर्जर तार बदलने के बाद अब खेती के लिए बिजली का प्रबंध किया जा रहा है। इस वर्ष चुनाव में जाने से पहले हम लोग हर घर नल का जल लोगों तक पहुंचा देंगे। उन्होंने कहा कि बिहार की हर घर नल का जल योजना और हर घर बिजली योजना को अब देश ने अपना लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण उपजे पर्यावरण संकट को देखते हुए हमलोगों ने बिहार में जल–जीवन–हरियाली अभियान की शुरुआत की है। 2018 में बिहार के सभी 534 प्रखंडों में से 280 प्रखंड जहाँ सूखा प्रभावित थे, वहीं वर्ष 2019 में अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि के बाद हुई भारी बारिश से बिहार को जूझना पड़ा। पटना में हुए जलजमाव की खूब चर्चा हुई। आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण एवं शुद्ध जल मुहैया हो सके इसके लिए हमलोगों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान के जरिये 3 साल में 24 हजार 500 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि खर्च करने की योजना बनायी है। जल संरक्षण एवं अधिक से अधिक पेड़ लगाने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। इसके लिए हमने बिहार के हर जिले की यात्रा की और लोगों को जागरूक किया। इस वर्ष 19 जनवरी को बनी मानव श्रृंखला में 5 करोड़ 16 लाख से भी ज्यादा लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर 18 हजार किलोमीटर लम्बी मानव श्रृंखला बनाकर दुनिया को यह संदेश दिया कि बिहार के लोग जलवायु परिवर्तन में सुधार को लेकर दृढ संकल्पित हैं। मानव श्रृंखला में खड़े होने वाले वही लोग हैं, जिनको आप समझते हैं कि उन्हें कुछ नहीं आता लेकिन लोगों ने दिखा दिया कि उन्हीं को सब कुछ आता है। यह जननायक कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार करने का परिणाम है। मानव श्रृंखला सामाजिक जागृति के लिए थी, यह राजनीति से प्रेरित नहीं थी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने आज तक कुछ नहीं किया, वैसे लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। हमारा मकसद है, सर्व समुदाय के लोगों का विकास, उन्नति और उत्थान के लिए काम कर सबको अधिकार सम्पन्न बनाना। 2018–19 में बिहार का विकास दर 11.3 रहा है। हम पिछड़े राज्य होकर भी विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। 17 नवम्बर 2019 को दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति श्री बिल गेट्स से मुलाकात में जब हमने उनको जल–जीवन–हरियाली अभियान के संबंध में जानकारी दी तो उन्हें सुखद आश्चर्य हुआ और अपने मीडिया साक्षात्कार में उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि जलवायु परिवर्तन पर न सिर्फ इंग्लैंड, अमेरिका, फ्रांस जैसे देशों में चर्चा होती है बल्कि इस वैश्विक मुद्दे पर बिहार और पटना में भी चर्चा हो रही है। हमने अधिकारियों के साथ कल ही जल–जीवन–हरियाली अभियान की समीक्षा बैठक कर उन्हें दिशा निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी रूचि काम में हैं, जिनको जो बोलना है बोलते रहें। हमलोग राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, डॉ0 राम मनोहर लोहिया, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर, जननायक कर्पूरी ठाकुर जैसे लोगों से प्रेरित होकर काम

करते हैं। महात्मा गांधी के उस कथन को याद रखियेगा कि यह धरती आपकी हर जरूरत को पूरा कर सकती है, लालच को नहीं। अधिक से अधिक पेड़ लगाने के साथ ही जल का दुरूपयोग न हो, इस दिशा में हम सबको मिलकर काम करना होगा। यही जननायक कर्पूरी ठाकुर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आने वाला है और जनता मालिक है, किसी व्यक्ति या परिवार के हित के लिए नहीं बल्कि जनहित के लिए किये गये कार्यों से प्रभावित होकर ही जनता फैसला लेगी। समाज में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव कायम रहे इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। आज के दिन पुनः मैं जननायक कर्पूरी ठाकुर को नमन करते हुए उनके चरणों में श्रद्धा–सुमन अर्पित करता हूँ।

समारोह को ऊर्जा मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री श्री संजय झा, योजना एवं विकास मंत्री श्री महेश्वर हजारी, आपदा प्रबंधन मंत्री श्री लक्ष्मेश्वर राय, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री मदन सहनी, सांसद श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, सांसद श्री रामनाथ ठाकुर, सांसद श्री चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, पूर्व मंत्री श्री मंगनी लाल मंडल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री शैलेश कुमार, पंचायती राज मंत्री श्री कपिलदेव कामत, परिवहन मंत्री श्री संतोष निराला, सांसद श्रीमती कहकशां परवीन, सांसद श्री सुनील कुमार पिंटू, सांसद श्री दिलेश्वर कामत, विधायक श्रीमती रंजू गीता, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद श्री सतीश कुमार, जदयू प्रवक्ता श्री संजय कुमार सिंह, बिहार विधानमंडल के सदस्यगण, अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

****